सत्यमेव जयते
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

एंथ्रेक्स
(बिसहरिया या गिलटी रोग या छड़ रोग)

एंथ्रेक्स एक गंभीर संक्रामक पशुजन्य रोग है जिसका संक्रमण संक्रमित पशु से मनुष्यों में हो सकता है।

एंथ्रेक्स का संक्रमण कैसे फैलता है?

एंथ्रेक्स–संक्रमित जानवरों की मृत्यु के समय हुए रक्तस्त्राव से एंथ्रेक्स जीवाणु मिट्टी में मिल जाते है जहां वे कई वर्षों तक जीवित रह सकते हैं। चारा चरते समय यही जीवाणु पशुओं व जंगली जानवरों को संक्रमित करते है, यही चक्र निरंतर चलता है।

पशुओं में एंथ्रेक्स होने के लक्षण क्या हैं ?

- बेचैनी और सांस लेने में कठिनता और पशु की अचानक मृत्यु होना
- पशु की मृत्यु के बाद मुंह, नाक, कान व गुदे से खून आना
- मृत्यु के उपरांत पशु के शरीर का फूल जाना

एंथ्रेक्स से किन्हें ज्यादा ख़तरा है?

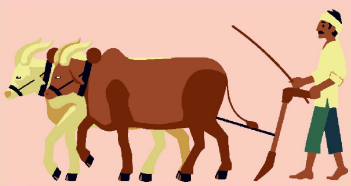

किसानों, पशुपालक, पशुचिकित्सक, कपड़ा मिल श्रमिकों, ऊन छटाई करने वालों, हड्डियों के प्रसंस्करण करने वाले, बूचड़खाने में काम करने वाले, एंथ्रेक्स की जांच करने वाली लैबोरेट्री में काम करने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों को

मनुष्यों में रोग का संचरण किस प्रकार से होता हैं?

एंथ्रेक्स–संक्रमित पशु के सीधे संपर्क में आने से

एंथ्रेक्स–जीवाणु मिश्रित वायु में सांस लेने से

एंथ्रेक्स–संक्रमित पशु का मांस खाने से

त्वचा मे घाव के रास्ते से

एंथ्रेक्स–संक्रमित पशु उत्पादों (जैसे कि ऊन, खाल या हड्डी इत्यादि) के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में आने से

इंसानों में एंथ्रेक्स के लक्षण

मनुष्यों में एंथ्रेक्स का संक्रमण तीन प्रकार से हो सकता है

त्वचा का संक्रमण

- कंपकपी वाला बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द,
- खुजली वाला फोड़ा एवं जख्म

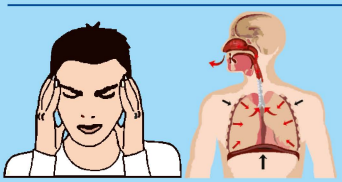

फेफड़ों का संक्रमण

- कंपकपी वाला बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द,
- सांस की तकलीफ व निमोनिया

पेट व आंतों का संक्रमण

- खून की उल्टी/दस्त
- कंपकपी वाला बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द

एंथ्रेक्स से बचाव

मृत पशु के नथुने, कान, गुदे से खून बह रहा हो तो मृत पशु के शव को न छुएं, तुरंत पशु चिकित्सक को बुलाएं

अज्ञात बीमारी से मृत पशुओं के मांस का उपयोग न करें

एंथ्रेक्स से ग्रसित व्यक्ति में संक्रमण को रोकने के लिए एंटीबायोटिक दवाओं का इस्तेमाल करें

मृत पशु को संभालते समय सुरक्षात्मक कपड़े (दस्तानें, मास्क) पहनें

एंथ्रेक्स के लक्षण जैसे कि घाव/फोड़े का काला पड़ना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, बुखार, खून की उल्टी, सांस की तकलीफ, पेट दर्द जैसे लक्षण होने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें

अपने सभी पशुओं की नियमित जांच व देखभाल करें व उन्हें एंथ्रेक्स का टीका अवश्य लगवाएं

मनुष्यों में एंथ्रेक्स का इलाज

लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सक के परामर्श अनुसार एंथ्रेक्स का पूर्ण इलाज किया जाना चाहिए अन्यथा यह जानलेवा हो सकता है।

स्वस्थ पशुधन स्वस्थ मानव जीवन

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क करें।

www.mohfw.nic.In
www.mygov.in
www.pmindia.gov.in

mohfwindia
@MoHFW_INDIA

http://ncdc.gov.in/
@director_NCDC

राष्ट्रीय 'एकीकृत स्वास्थ्य' पशुजन्य रोग नियंत्रण कार्यक्रम